9.3.17 पत्रावली पेश हुई वकील वादी उप॰ वादी का वाद विड्रा किया जा चुका है इस प्रकरण में किसी प्रकार की कार्यवाही किया जाना शेष नहीं है प्रकरण इसी स्टेज पर ड्रोप किया जाता है पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तामील तकमील के दाखिल दफ्तर हो